



पहले बेटे से चुदी फिर उसके दोस्त से

“Xxx कानपुर सेक्स कहानी में मेरी सहेली ने बताया कि वह अपने बेटे से चुदवाती है तो मैंने भी अपने बेटे के बड़े लंड का मजा लेने की ठान ली. मैं उसका लंड पहले ही देख चुकी थी. ...”

Story By: रेहाना खान (reahana)

Posted: Wednesday, October 30th, 2024

Categories: [माँ की चुदाई](#)

Online version: [पहले बेटे से चुदी फिर उसके दोस्त से](#)

पहले बेटे से चुदी फिर उसके दोस्त से

Xxx कानपुर सेक्स कहानी में मेरी सहेली ने बताया कि वह अपने बेटे से चुदवाती है तो मैंने भी अपने बेटे के बड़े लंड का मजा लेने की ठान ली. मैं उसका लंड पहले ही देख चुकी थी.

यह कहानी सुनें.

Xxx Kanpur Sex Kahani

मेरा नाम रेहाना खान है, मैं कानपुर में रहती हूँ.

एक दिन मैं अपने ही घर में अपनी एक पक्की फ्रेंड मलाला के साथ ड्रिंक्स लेते हुए बात कर रही थी।

नशा धीरे धीरे चढ़ रहा था और उसी के साथ हमारी बातें भी और ज्यादा मजेदार एवं सेक्सी होती जा रही थीं।

बातों ही बातों में वह बोल पड़ी- यार रेहाना, जब से मैं अपने बेटे से चुदवाने लगी हूँ तब से मेरी ज़िन्दगी ही बदल गयी है। मुझे अब ज्यादा मज़ा आने लगा है, मुझे ज़िन्दगी प्यारी लगने लगी है। मैं अब और ज्यादा बोल्ट हो गयी हूँ, निडर हो गयी हूँ साथ ही साथ बेशरम भी हो गयी हूँ। मुझे अब किसी की परवाह नहीं है बहनचोद !

मैंने कहा- यार सच कह रही हो या मजाक कर रही हो ?

वह बोली- मजाक नहीं यार मैं सच कह रही हूँ। मैं अपने बेटे से चुदवाती हूँ, अपने बेटे का लण्ड अपनी चूत और गांड दोनों में पेलवाती हूँ.

मैंने कहा- अच्छा, तो बेटे को अपनी माँ की चूत में लण्ड पेलने में शर्म नहीं आती ?
वह बोली- अरे यार, जब माँ को बहनचोद अपनी चूत में बेटे का लण्ड पेलवाने में कोई शर्म नहीं आती ... तो बेटे को क्यों आये ? वो तो मर्द है । वो तो साला और जोर शोर से चोदता है मुझे ... और मज़ा लेता है ।

मैंने कहा- यार, मैं भी अपने बेटे से चुदवाना चाहती हूँ । जब से मैंने उसका टनटनाता हुआ खड़ा लण्ड देखा है तब से मेरी चूत में आग लगी हुई है बहनचोद ! मेरी आँखों के सामने उसका लण्ड हमेशा घूमा करता है । मैं क्या करूँ यार ?

वह बोली- तो पकड़ ले न किसी दिन उसका लण्ड और पेल ले उसे अपनी चूत में ! बुझा ले अपनी चूत की आग ! थोड़ी बेशर्मी दिखा फिर तो मज़ा ही मज़ा !

मैंने कहा- यार, तुम ज़रा मेरे बेटे की Xxx कानपुर सेक्स लाइफ के बारे में पता करो तो मेरे लिए अच्छा होगा ।

वह बोली- हां ठीक है, मैं जल्दी ही तुम्हें बताऊंगी उसके बारे में !

10 दिन बाद मलाला फिर मेरे घर आयी.

उसका चेहरा खिला हुआ था और वह मुस्करा रही थी, बोली- यार रेहाना, तेरे लिए एक जबरदस्त खुशखबरी है ।

मैं बोली- तो फिर जल्दी से बता न यार ?

वह बोली- यार, तेरा बेटा बड़ा मस्त जवान हो गया है और अब तो वह लड़कियां चोदने लगा है ।

उसने बताया- मैंने एक ऐसी लड़की ज़ीना से बात की जो तेरे बेटे से चुदवाती है । उसने बताया कि आंटी इमरान का लौड़ा बड़ा मस्त है मोटा है और बड़ी देर तक चोदने वाला है ।

मैं तो उसके लण्ड की दीवानी हूँ। मैंने फिर उससे खोद खोद कर और भी बातें पूछी. तो उसने बताया कि मैं इमरान से अपनी अम्मी को भी चुदवाती हूँ। मेरी अम्मी को इमरान का लण्ड बहुत पसंद है। तो मैंने पूछा तुम दोनों माँ बेटी इमरान से एक साथ चुदवाती हो ? वो बोली कि हां बिल्कुल ! ऐसे में हम दोनों को खूब मज़ा आता है।

यह सुनकर मेरी चूत साली ने पानी छोड़ दिया।

मैंने मन में कहा कि मेरा बेटा साला जब ज़ीना की माँ चोद सकता है तो अपनी माँ क्यों नहीं चोद सकता ?

लण्ड मेरे बेटे का है और मज़ा ले रही है वो दोनों बुरचोदी माँ बेटी ! मैं यहाँ लण्ड के लिए तड़प रही हूँ।

बस मेरा मन हुआ कि मैं अभी नंगी नंगी अपने बेटे इमरान का लण्ड पकड़ कर मुंह में भर लूँ।

मैं बहुत ज्यादा गर्म हो गयी थी ; मेरे बदन के रोयें खड़े हो गए थे। मैं बेटे से अपनी चुदाई करवाने के लिए तड़पने लगी ; उसका लण्ड अपनी चूत में पेलवाने की लिए एकदम तैयार हो गयी।

मैंने सोचा कि जब मेरा बेटा मर्द बन गया है तो वह अब मेरे लिए एक पराया मर्द ही है. और मैं पराये मर्द से चुदवाती हूँ। तो फिर क्यों न अपने बेटे से ही चुदवा लूँ ?

तभी मैंने सोच लिया कि मैं उसे सब कुछ खुल कर बता दूँगी।

शाम को जब बेटा आया तो मैं उससे हंस कर मिली और उसे जम कर बहुत बढ़िया खाना खिलाया।

रात में हम दोनों एक ही बिस्तर पर लेट गए।

मैंने बातों बातों में कहा- बेटा इमरान, अब तुम बड़े हो गए हो, मस्त जवान हो गए हो और समझदार भी हो गए हो। मैं तुमको अपनी एक राज की बात बताना चाहती हूँ। देखो बेटा बुरा तो नहीं मानोगे ?

वह बोला- नहीं, बुरा नहीं मानूँगा अम्मी ! तुम सब कुछ खुल कर बताओ तो भी बताना चाहती हो।

मैंने कहा- देखो बेटा, तेरे अब्बा 2/3 महीने के बाद एक बार आते हैं और 8/10 दिन तक रुक कर चले जाते हैं। मैं अपनी जवानी की प्यास बुझा नहीं पाती थी। इसलिए मुझे पराये मर्दों का सहारा लेना पड़ता था और मैं उनके साथ सेक्स करने लगी थी। यह मेरी मज़बूरी थी। मैंने कोई गलत काम नहीं किया बेटा।

यह कह कर मेरी आँखों में आँसू आ गये.

तो उसने मुझे गले लगा लिया, बोला- हां अम्मी, तुमने कोई गलती नहीं की. जो किया ठीक किया। मैं सब समझता हूँ अम्मी। तुम बिलकुल चिंता मत करो।

मैं फिर खुल कर बोली- बेटा मुझे लण्ड की बहुत सख्त जरूरत थी, बिना लण्ड के मुझे नींद नहीं आती थी. तो मैंने पहले एक मर्द से चुदवाना शुरू किया। उसके बाद दूसरे मर्द के संपर्क में आ गई तो उससे भी चुदवाने लगी। आजकल मेरे 3 मर्दों से सम्बन्ध हैं. इस तरह मैं अपने तन की प्यास बुझाने लगी। लेकिन अब मैं सोच रही हूँ कि जब हमारे घर में ही लण्ड है तो मैं बाहर क्यों जाऊँ ?

ऐसा बोल कर मैंने बेटे के लण्ड पर हाथ मारा और मुस्कराकर उसकी आँखों में आँखें डाल कर कहा- सुना है तेरा लण्ड ज़ीना और उसकी माँ को बहुत पसंद है ?

वह बोला- अरे हां अम्मी, अब तुमसे क्या छुपाना ! मैं पहले ज़ीना के चक्कर में आया तो उसे चोदने लगा. फिर एक दिन उसने मुझे अपनी माँ के सामने खड़ा कर दिया। उसकी माँ ने बड़े प्यार से मेरा लण्ड पकड़ लिया तो फिर मैं उसे भी चोदने लगा।

मैंने कहा- बेटे, मुझे तुम पर गर्व है। मुझे यह सब जानकर बहुत खुशी हुई।

मैं उस समय वन पीस पहने थी ; मेरी चूची, चूत, गांड सब अंदर से नंगी थी।

बेटा भी लगभग नंगे बदन ही था, सिर्फ एक पजामा पहने हुए थे।

मैंने बातों बातों में उसके पजामा का नाड़ा खोला, पजामा खुला तो वो पूरा नंगा हो गया।

उसका लण्ड देख कर मैं खुशी से झूम उठी।

मैंने फ़ौरन उसे पकड़ा और बड़े प्यार से चूमा फिर उसे मुस्कराते प्यार से हिलाने लगी, आगे पीछे करने लगी, ऊपर नीचे करने लगी, लण्ड का टोपा जबान से चाटने लगी।

उसकी झांटें एकदम साफ़ थी तो लण्ड लम्बा मोटा ही नहीं बही बल्कि बड़ा हैंडसम दिख रहा था।

उसको भी जोश आ गया तो उसने आहिस्ते से मेरे कंधे पर हाथ रखा और मेरा वन पीस गाउन उतारने लगा।

गाउन कंधे से खिसका तो चूची तक आ गया, फिर चूचियों से सरका तो पेट तक आ गया।

उसे मेरी नंगी बड़ी बड़ी चूचियाँ दिखीं तो उसके लण्ड में गज़ब का तनाव आ गया।

उसने बूब्स दोनों हाथ से पकड़ा और मसलने लगा।

मैं मस्ती से कसमसा गई।

मुझे आनंद आने लगा।

फिर जब उसने मेरा गाउन उतार कर नीचे फेंका तो मैं पूरी तरह अपने बेटे के सामने नंगी हो गई।

मेरे नंगी होते ही उसने मुझे अपने बदन से चिपका लिया, बोला- अम्मी, तुम सच में बड़ी सेक्सी और हॉट हो। किसी भी लड़की से ज्यादा सेक्सी हो तुम अम्मी!

वह मेरे मम्मे चूमने लगा और निप्पल चाटने लगा।

उसका दूसरा हाथ मेरी चिकनी बिना झांट की चूत पर चलने लगा।

फिर क्या ... मेरा मुंह अपने आप खुल गया और मैंने बेटे का लण्ड पूरा का पूरा मुंह में भर लिया।

मैं बड़े प्यार से चूसने लगी लण्ड ... चाटने लगी लण्ड का टोपा।

तब मैं तो मस्ती में चूर होने लगी।

बेटा मेरी चूत सहलाने लगा, मेरी चूचियाँ दबाने लगा, मेरी गांड पर हाथ फिराने लगा।

मैं उसकी आँखों में आँखें डाल कर उसका लण्ड चूसने में जुट गई।

मेरी तमन्ना पूरी रही थी।

उस दिन मुझे लण्ड चूसने में सबसे ज्यादा मज़ा आ रहा था।

लण्ड भी इतना कड़क था कि मुझे लगा कि लण्ड नहीं कोई लोहे का रॉड है।

मुझे अपने बेटे के लण्ड पर फख्र होने लगा।

मैंने अपनी लाइफ में जितने लण्ड पकड़े थे, उनमें से सबसे मोटा और कड़क लण्ड मेरे बेटे का ही था।

मैं सच में दीवानी हो गई अपने बेटे के लण्ड की।

तब तक मेरी चूत बहनचोद बहुत गर्म हो चुकी थी.

तभी मेरे मुंह से एकाएक निकला- बेटा, अब लण्ड पेल दो मेरी चूत में! चूत बहुत गर्म हो गयी है ससुरी!

फिर मैंने जैसे ही अपनी टांगें फैलाई, वैसे ही मेरी चूत उसके लण्ड के सामने आ गयी।

उसने लण्ड चूत पर रगड़ना शुरू कर दिया, लण्ड का टोपा जब मेरी चूत पर बार बार रगड़ खा रहा था तो मुझे बड़ा अच्छा लग रहा था।

फिर अचानक लण्ड उसने गच्च से अंदर पेल दिया।

पहली बार में ही लण्ड पूरा अंदर घुसा दिया।

फिर वह लण्ड बार बार अंदर बाहर करता हुआ मुझे चोदने लगा।

मैं राहत की सांस लेकर अपने बेटे से झमाझम चुदवाने लगी।

मुझे अपार सुख मिलने लगा ; बेटे से चुदवाने का आनंद आने लगा।

मुझे मलाला की बात याद आ गयी।

उसने कहा था कि अपने बेटे से चुदवाने का सुख परम सुख होता है।

मैं बेटे से चुदाई में इतनी तल्लीन हो गयी कि मेरे मुंह से प्यार से गालियां अपने आप निकलने लगीं।

मैंने कहा- हाय दर्ईया ... बड़ा मज़ा आ रहा है। तेरा लण्ड भोसड़ी का बड़ा मज़ा दे रहा है बेटा! तू आज अपनी माँ का भोसड़ा चोद रहा है। आज से तू मादरचोद हो गया है।

मैं वासना में डूब चुकी थी ; कुछ भी बोले जा रही थी।

मेरे मुंह से निकला- चोद ले बेटा अपनी माँ की चूत! बड़ी मुश्किल से मिलती है माँ चूत चोदने के लिए। तू साला बड़ा लकी है जो अपनी जवानी में अपनी माँ चोद रहा है। पूरा लण्ड पेल दे अपनी माँ की चूत में बेटा इमरान! आआ होऊ हूहूहि होऊ हहहकु होऊ उउउउउ हाय रे!

मैं आसमान में तैरने लगी ।

मुझे चुदाई में इतना मज़ा पहले कभी नहीं आया था.

बेटे को भी जोश आ गया, वह बोला- हां अम्मी, तू तो अब बिलकुल रंडी हो गयी है । पराये मर्दों के लण्ड भकाभक चुदवाती है अपनी चूत में ! आज मैं तेरी चूत फाड़ के दम लूंगा ।

इतनी बढ़िया चूत को ज़ीना की माँ और खाला की भी नहीं है ।

मैंने कहा- हाय दर्इया, तू ज़ीना की खाला को भी चोदता है ?

वह बोला- अरे अम्मी, ज़ीना की ही नहीं, मैं अपने 3 दोस्तों की माँ चोदता हूँ और सब मादरचोद मुझसे खूब मज़ा ले ले कर चुदवाती हैं । आजकल की लड़कियां खुद अपने बाँय फ्रेंड से अपनी माँ चुदवाती हैं ।

मैंने कहा- तू सच में बड़ा हरामी है, बेटा तेरी माँ का भोसड़ा ! मैं आज देखती हूँ कि तेरे लण्ड में कितनी ताकत है.

वह बोला- तेरी बहन की चूत अम्मी ... मैं उसे भी किसी दिन चोदूंगा ।

उसके मुंह से निकली गालियां मेरा जोश बढ़ा रही थीं ।

मुझे चुदने में ज्यादा मज़ा आने लगा था ।

फिर उसने चुदाई की रफ़्तार बढ़ा दी जिससे पूरे घर में भच्च भच्च गच्च गच्च धच्च धच्च की आवाज़ आने लगी ।

चुदाई इतनी जबरदस्त थी कि मैं पहले झड़ गयी ।

मेरी चूत ढीली हो गयी.

उसके बाद उसके लण्ड ने भी उगल दिया वीर्य जिसे मैंने अपने मुँह में पूरा का पूरा ले लिया ।

फिर हम दोनों बाथरूम में गए और वहां मैंने उसके लण्ड पर साबुन लगा कर नहलाया।

उसने मेरी चूत गांड और चूचियों पर साबुन लगा कर मुझे नहलाया।

हम दोनों नंगे नंगे बेड पर वापस आ गए और एक दूसरे के बदन को सहलाने लगे।
मैं बड़े प्यार से उसके लण्ड को सहला रही थी और वह मेरी चूत को और मम्मो को सहला रहा था।

अचानक किसी की आवाज़ आयी- अरे यार इमरान ये क्या हो रहा है ?
मैं यह सुनकर हड़बड़ाकर उठ बैठी।

बेटे ने मुड़ कर देखा और बोला- अरे यार राजू, तुम यहाँ कैसे ?
वह बोला- तेरा दरवाजा खुला था तो मैं तुमसे मिलने चला आया। मुझे क्या मालूम था कि यहाँ ये सब हो रहा है।

तब मुझे ख्याल आया मैंने ही यह गलती की थी।
मैं मस्ती में आकर दरवाजा बंद करना भूल गयी थी।

लेकिन तब तक उसने हम दोनों माँ बेटे को नंगे देख लिया था।
मैंने पूछा- बेटा राजू, तुम कितनी देर से हम दोनों को देख रहे हो ?

उसने कहा- आंटी, मैं जब आया तो देखा कि आप दोनों सम्भोग में व्यस्त हैं। इसलिए मैंने आपको डिस्टर्ब नहीं किया। जब आप लोग बाथरूम से बाहर आये तब मैंने आपने अपने आने का संकेत दिया।

फिर मैं खुल कर बोली- अच्छा तो तुमने हमारी चुदाई देख ली है. तो अब शर्मने की क्या जरूरत ? मैं देख रही हूँ कि तेरा लण्ड खड़ा है।

मैं नंगी नंगी उठी और राजू को पकड़ कर उसकी चुम्मी ले ली, उसके बदन पर प्यार से हाथ फेरा।

तब उसका भी हाथ मेरे बूब्स तक पहुँच गया था।

मेरा बेटा इमरान उठा और उसके कपड़े उतारते हुए बोला- देखो राजू, आज तुम मेरे सामने मेरी माँ चोदो। तुमको शायद पता नहीं है कि मैं तेरी माँ चोद चुका हूँ।

वह बोला- मुझे मालूम है इमरान ... तुम मेरी माँ चोद चुके हो. मेरी माँ आधे कानपुर सेक्स का मजा ले चुकी है. मैं इसीलिए तेरे पास आया हूँ।

इमरान ने तब तक उसे नंगा कर दिया तो मैं उसका लण्ड पकड़ कर हिलाने लगी।

मुझे यह जानकर बड़ी खुशी हुई कि मेरा बेटा राजू की माँ चोद चुका है. तो अब मैं राजू से अपने बेटे के सामने खूब जी भर कर चुदवाऊंगी आगे से भी और पीछे से भी। अब तो मुझे न तो कोई शर्म है और न कोई डर!

उसका लौड़ा बहनचोद मेरे बेटे के लौड़े से थोड़ा ज्यादा मोटा था।

मुझे Xxx कानपुर के मोटे लण्ड बहुत पसंद हैं।

मैं उसका लण्ड पकड़ कर बड़े प्यार से चाटने चूसने लगी।

इमरान मेरी फुट्टी चाटने लगा और राजू मेरे बाल पकड़ अपना लण्ड बार बार मेरे मुंह में पेलने लगा, मेरा मुंह चोदने लगा।

मैं दोनों लड़कों का मजा लेने लगी।

कुछ देर में मैंने कहा- बेटा राजू, अब तुम पेल दो लण्ड मेरी चूत में ... और चोदो अपने दोस्त की माँ का भोसड़ा। तेरा लण्ड साला बड़ा मोटा है मेरी चूत फाड़ डालेगा तो फिर फाड़ डाल मेरी चूत!

राजू जुट गया मुझे चोदने में और मैं जुट गयी अपने बेटे का लण्ड चूसने में ।
मैं दो दो लण्ड का मज़ा लूटने लगी और एक मंजी हुई रंडी की तरह भचर भचर चुदवाने लगी, अपनी गांड उठा उठा के चुदवाने लगी ।

थोड़ी देर बाद बेटा चित लेट गया और मैं उठ कर उसके लण्ड पर उसकी तरफ मुंह करके बैठ गयी ।

लण्ड मेरी चूत में पूरा घुस गया ।
मैं झुक कर मर्दों की तरह लण्ड चोदने लगी ।
मेरी गांड पीछे से उठी हुई थी ।

राजू घूम कर आया और लण्ड मेरी गांड में घुसा दिया ।

इस तरह मैं गांड और चूत दोनों एक साथ चुदवाने लगी ।

इस बार मुझे बहुत ज्यादा मज़ा आने लगा ।

मस्ती में मेरे मुंह से निकला- बेटा राजू, तेरा लौड़ा भोसड़ी का बड़ा मज़ा दे रहा है यार ! तू भी बहुत बड़ा मादरचोद है । तुझे अपनी दोस्त की माँ चोदने में कोई शर्म नहीं आ रही है ? वह बोला- मेरे दोस्त की माँ, बहनचोद, रंडी हो गयी है और रंडी को चोदने में शर्म कैसी आंटी ? अब तो मैं तेरी गांड फाड़ कर ही दम लूँगा ।

मैं बोली- तुम दोनों साले बड़े कमीने हो । हरामजादे हो, मादरचोद हो । हाय रे ... मुझे खूब चोदो, अपनी बीवी समझ कर चोदो, मुझे रंडी की तरह चोदो, चीर डालो मेरी चूत ... फाड़ डालो मेरी गांड !

कुछ ही देर में मैं खलास हो गयी और फिर इन दोनों के लण्ड भी झड़ने लगे ।
मैंने दोनों झड़ते हुए Xxx कानपुर लण्ड चाटे और मज़ा लूटा ।

अब हाल यह है कि मेरा बेटा मुझे हर रोज़ चोदता है, दिन रात चोदता है, सुबह शाम चोदता है। अपने नए नए दोस्तों से मुझे चुदवाता है। वह कहता है- अम्मी, जितना मज़ा मुझे तुम्हें चोदने में आता है उतना ही मज़ा मुझे अपने दोस्तों से तुम्हें चुदवाने में आता है।

कभी कभी वह अपने दोस्तों के साथ मुझे चोदता है।

Xxx कानपुर सेक्स कहानी पर अपने कमेंट्स लिखें.

reahana1008@gmail.com

लेखिका की पिछली कहानी थी : [माँ बेटी ने मिल कर लण्ड का मज़ा लिया](#)

Other stories you may be interested in

कश्मीर में भाबी की जबरदस्त चुदाई

कश्मीर सेक्स प्लान Xxx कहानी में मैंने अपने फुफेरे भाई के साथ सपत्नीक कश्मीर घूमने गया. ट्रेन में उसकी बीवी से मेरी सेटींग हो गयी. हमने प्लान बनाकर होटल ने पूरी रात चुदाई की. नमस्ते दोस्तो व प्यारी भाभियो, मेरा [...]

[Full Story >>>](#)

पापा को पड़ोस वाली बुआ को चोदते देखा

पोर्न पापा Xxx कहानी में मैंने अपने पापा को अपनी पड़ोस की जवान लड़की के घर जाकर उनकी चुदाई करते देखा. लड़की के भाई को भी पता था कि उसकी बहन चुद रही है. दोस्तो, मेरा नाम सुमित्रा है. आपने [...]

[Full Story >>>](#)

खेत में पड़ोसन भाभी की चूत चुदाई

देसी भाभी Xxx कहानी में मैं अपने गांव की एक भाभी को पसंद करता था, उसे चोदना चाहता था. वह थी भी चालू. मैंने एक दिन उसे एक अश्लील इशारा कर दिया. दोस्तो, मेरा नाम करण है. मेरी उम्र 20 [...]

[Full Story >>>](#)

सगी भतीजी की सीलतोड़ चूत चुदाई- 2

माँ Xxx Xxx बेटा सेक्स कहानी में मेरी भाभी ने अपने सामने अपनी बेटा को मेरे लंड से चुदवाकर उसकी पहली चुदाई करवाई. मैंने अपनी भतीजी की सील तोड़ी उसकी अम्मी के सामने! दोस्तो, मैं आलम एक बार फिर से [...]

[Full Story >>>](#)

दोस्त लड़की की चूत चुदाई तमन्ना पूरी हुई

ओल्ड फ्रेंड हॉस्टल सेक्स कहानी मेरी एक ऐसी दोस्त की चुदाई की है जिसे मैंने दोस्ती के दस साल बाद चोदा. उससे पहले हम कभी मिले भी नहीं थे, बस फोन पर सेक्स की बातें करते थे. दोस्तो, मेरा नाम [...]

[Full Story >>>](#)

